ISSN No. 2583-3316

यूरिया के माध्यम से सूखे चारों की गुणवत्ता में सुधार करना

नंगखाम जेम्स सिंह[1]* गौरव जैन[2] एवं रूपेश जैन[3]

[1] पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, शुऊाटस, प्रयागराज

[2] कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया, मध्य प्रदेश

[3] तुला संस्थान, देहरादून

पत्राचारकर्ता : gauravj888@gmail.com

परिचय

भारत एक कृषि प्रधान देश है। जिनमें कृषि के साथ-साथ पशुपालन भी एक मुख्य व्यवसाय है। पशु पालन के अंदर 70 प्रतिशत लागत उनके पोषण पर आती है तथा पशुओं की अच्छी बढ़वार, पैदावार (उत्पादन जैसे अण्डा, दुग्ध, एवं माँस) के लिए पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है। पशु आहार में गेहूँ का भूसा, धान की पुआल महत्वपूर्ण योगदान निभाता है जो कि पशुओं को खिलाया जाने वाला एक प्रमुख आहार है परंतु इन सूखे चारों में कड़ा एवं रेशेदार पदार्थ होने के कारण इनकी पाचकता एवं स्वदिष्टता कम होती है। साथ ही साथ इनमें प्रोटीन की मात्रा भी कम पायी जाती है। इसलिए यूरिया से उपचारित कर देने पर न केवल इन सूखे चारे की पाचकता एवं स्वादिष्टता बढ़ जाती है। अपितु पौष्टिकता में भी वृद्धि हो जाती है तथा पशुओं के भोजन के होने वाली हरे चारे की कमी की भी पूर्ति की जा सकती है। सूखा चारे को यूरिया से उपचारित करने पर उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है और उनकी कार्य क्षमता में भी वृद्धि होती है साथ ही साथ उनके उत्पादन में वृद्धि होती है और प्रजनन क्षमता भी बढ़ती है।

यूरिया उपचारित करने के आवश्यक सामग्रियाँ

गेहूँ का भूसा अथवा धान के पुआल की कूटी 100 किग्रा, यूरिया खाद 4 किग्रा, एक बड़ा ड्रम 65 लीटर जल, बगीचे में पानी डालने वाला एक झारा अथवा छलनी, पताली या पाँचा, एक बाल्टी तथा ढकने के लिए प्लास्टिक शीट।

यूरिया उपचार विधि : यूरिया द्वारा सूखे को उपचारित करने की विधि बहुत ही सरल एवं सस्ती होती है। जिसको किसान भी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए फर्श पक्की होना चाहिये या कच्चा है तो गोबर से लिपाई कर देते हैं। इसके पश्चात जमीन पर भूसे की 4 से 6 इंच की तह आयताकार या वर्गाकार आकार में बिछाना चाहिये उसके पश्चात 4 किलो यूरिया को 65 लीटर पानी के घोलकर भूसे के ऊपर छिड़काव करना चाहिए तथा दंताली से भूसे को बार-बार पलटते रहना चाहिए। ताकि भूसा पानी को अवशोषित कर सकें। इस तरह पूरा भूसा एवं पानी का एक मिश्रण तैयार कर ढेर बना लेते हैं और उसको लगातार दबाते रहते हैं ताकि भूसे में हवा न रहे, उसके पश्चात प्लास्टिक शीट से भूसे को ढक देना चाहिए, जो कि हवा का आवागमन बंद कर दे ताकि उसके अंदर यूरिया से उत्पन्न अमोनिया गैस कम पौष्टिक चारें को पौष्टिक चारे में परिवर्तित कर दें इस प्रकार अमोनीकृत होने के कारण भूसा अथवा पुआल का रंग सुनहरा हो जाता है। जिसे पशुओं को आसानी से खिलाया जा सकता है।

पशुओं को उपचारित चारा खिलाने की विधि

लगभग 3सप्ताह बाद उपाचारित चारे की ढेरी से एक तरफ से जितना आवश्यक हो उतना चारा निकालना चाहिए। उनके बाद ढेरी को ढक देना चाहिए ताकि गैस बाहर न निकलने पाये तथा उपचारित भूसे से अमोनिया की गंध आती है। इस लिए भूसे खिलाने से पूर्व 2-9 घण्टा खुला छोड़ देना चाहिए ताकि गैस की गंध कम हो जाये और साथ ही साथ उपचारित चारे को हरे चारे या अनाज के मिश्रण (चोकर, खल, या दलिया) के साथ मिलाकर देने से अच्छा परिणाम प्राप्त होता है।

चित्र-सूखे चारे को यूरिया द्वारा उपचारित करता हुआ किसान

ISSN No. 2583-3316

उपचारित भूसा खिलाने के लाभ : यूरिया द्वारा उपचारित भूसा खिलाने से पशुओं का उत्पादन बढ़ जाता है। इससे दुग्ध उत्पादन में आने वाले खर्च को कम किया जा सकता है तथा उपचारित भूसे से पशुओं की शारीरिक वृद्धि, बढ़वार एवं सेहत में सुधार होता है।

सावधानियाँ

यूरिया उपचारित चारे का बनाने में बरते जाने वाली सावधानियाँ जो निम्न हैं-

(अ) यूरिया उपचार हेतु केवल साफ पानी का ही उपयोग करना चाहिए तथा प्रत्येक बार यूरिया का ताजा घोल बनाना चाहिए। पहले से बने हुए घोल का उपयोग नहीं करना चाहिए। घोल को पशुओं की पहुँच से दूर रखना चाहिए।

(ब) यूरिया को पानी में अच्छी तरह घोलना चाहिए तथा घोल को सम्पूर्ण चारे के ऊपर बराबर बराबर छिड़कना चाहिए साथ ही ढेरी को गुम्बद नुमा बनाकर अच्छी तरह दबाना चाहिए तथा उसे प्लास्टिक शीट से इस तरह ढकना चाहिए कि कही से भी हवा का प्रवेश न हो सके।

(स) गीले अथवा फफूँदीग्रस्त चारे को यूरिया उपचार हेतु उपयोग नहीं करना चाहिए तथा छः माह से कम उम्र के पशुओं को उपचारित भूसा नहीं खिलाना चाहिए।

निष्कर्ष

यूरिया का प्रयोग अब तक सिर्फ खेतों में पौधों के लिये ही होता आया है, किन्तु यूरिया को यदि उपचारित कर पशुओं को पशुचारे के रूप में दे तो उनके स्वास्थ्य में सुधार होता है एवं उनके दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि होती है। यूरिया उपचारित भूसे को खिलाने से दुग्ध उत्पादन के लागत में भी कमी आती है, जिससे पशुपालन अपनी बचत भी कर सकते हैं।

❖❖